Phone: 033-2441-1710
NABA BALLYGUNGE MAHAVIDYALAYA
(Formerly CHARUCHANDRA EVENING COLLEGE)
27E, Bosepukur Road, Kolkata - 700042
Email: nbmv2005@yahoo.co.in, Website: nbmahavidyalaya.in

3.2.2

Number of workshops/seminars/conferences including on Research Methodology/ Intellectual Property Rights and Entrepreneurships conducted during the last five years

2021-2022

Phone: 033-2441-1710

NABA BALLYGUNGE MAHAVIDYALAYA

(Formerly CHARUCHANDRA EVENING COLLEGE)

27E, Bosepukur Road, Kolkata - 700042

Email: nbmv2005@yahoo.co.in, Website: nbmahavidyalaya.in

Webinar titled:

Kabir Rabindranath aur chhayavaad ka mul swar manushyata hai

DATE: 9Th October 2021

No. of participants: 500

Webinar Flyer

Phone: 033-2441-1710

NABA BALLYGUNGE MAHAVIDYALAYA

(Formerly CHARUCHANDRA EVENING COLLEGE)

27E, Bosepukur Road, Kolkata - 700042

Email: nbmv2005@yahoo.co.in, Website: nbmahavidyalaya.in

कोलकाता
सोमवार, 11 अक्टूबर 2021

कबीर, रवीन्द्रनाथ और छायावाद का मूल स्वर मनुष्यता है

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता 10 अक्टूबर। कोलकाता के प्रतिष्ठित कॉलेज नव बालीगंज महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा रवींद्र, कबीर और छायावाद प्रसंग विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश से साहित्य-प्रेमियों ने हिस्सा लिया। इस कायक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. वेद रमण, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मॉरीशस, प्रो.गीता दुबे, स्कॉटिश चर्च कॉलेज, प्रो. अल्पना नायक, श्रीशिक्षायतन कॉलेज और प्रो.संजय जायसवाल, विद्यासागर विश्वविद्यालय उपस्थित थें। स्वागत भाषण देते हुए प्रो. अब्दुल सत्तार ने कबीर के दोहों की खूब प्रशंसा की तथा छायावाद के उत्थान में रोमांटिसिज्म की भूमिका पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रो. राजश्री शुक्ला ने तुलनात्मक रूप से कबीर, रवींद्रनाथ और छायावाद के बीच बौद्धिक दृष्टिकोण पर समानता की बात कही।

प्रो. संजय जायसवाल ने कबीर, रवींद्रनाथ और छायावाद में समतुल्यता दिखाते हुए कहा कि कबीर, रवींद्रनाथ और छायावाद तीनों मानवता और विवेकपरकता के त्रिभुज हैं। साथ ही कबीर की आध्यात्मिकता का विकास रवींद्रनाथ और छायावाद में देखा जा सकता है। तीनों का लक्ष्य समान रूप से आत्मा के विस्तार, मानवमुक्ति के स्वर और लौकिक सम्बन्ध के सार्वभौम सत्य के रूप में जुड़ा है। प्रो.गीता दुबे ने कहा कि कबीर, रवींद्र और छायावाद तीनों प्रेम के डोर से बंधे हुए हैं तथा उनके यहां मानवता का विस्तार है। प्रो.अल्पना नायक ने भारतीय जागरण को कबीर, रवींद्रनाथ और छायावाद का मूल मंत्र कहा और इसके अंतर्गत सामाजिक जागरण, राजनीतिक जागरण और सांस्कृतिक जागरण पर प्रमुखता से बल दिया। प्रो.वेद रमण ने रहस्यवाद को कबीर, रवींद्रनाथ और छायावाद के बीच केंद्रित करते हुए तमाम तरह के रहस्यों का जिक्र किया तथा रवींद्रनाथ को कबीर और छायावाद की कड़ी कहा। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा साव ने कहा कि कबीर, रवीन्द्रनाथ और छायावाद का मूल स्वर मनुष्यता का है।

Report of the webinar in Hindi daily

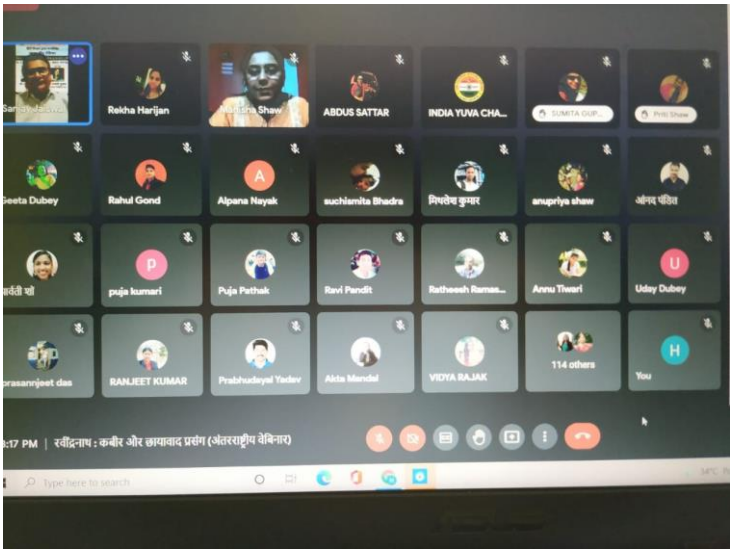

Phone: 033-2441-1710

NABA BALLYGUNGE MAHAVIDYALAYA

(Formerly CHARUCHANDRA EVENING COLLEGE)

27E, Bosepukur Road, Kolkata - 700042

Email: nbmv2005@yahoo.co.in, Website: nbmahavidyalaya.in

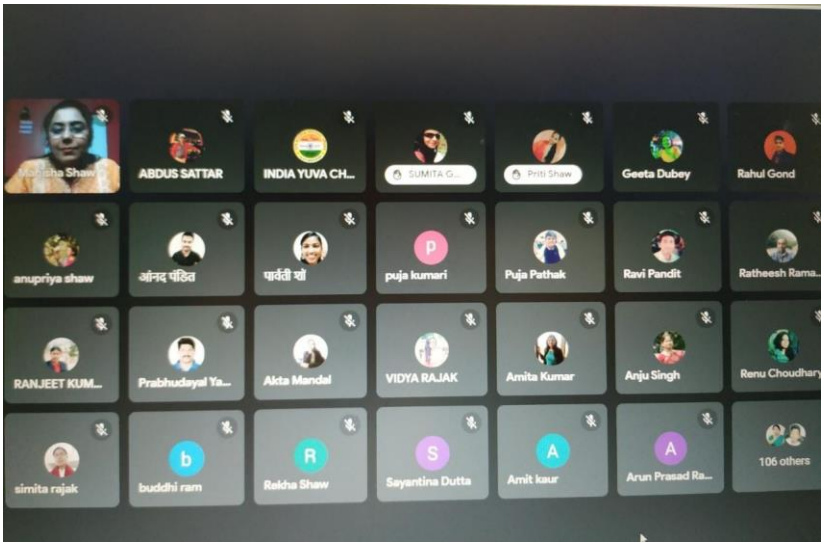

Screenshots of the webinar

Phone: 033-2441-1710

NABA BALLYGUNGE MAHAVIDYALAYA

(Formerly CHARUCHANDRA EVENING COLLEGE)

27E, Bosepukur Road, Kolkata - 700042

Email: nbmv2005@yahoo.co.in, Website: nbmahavidyalaya.in

Report of the Webinar

Speakers:

Dr Rajashree Shukla

Prof Ved Anaand

Prof Alpana Nayak

Prof Geeta Dubey

The webinar focused on the humanity and love for humans in the poems of Kabir and Tagore. As for these poets, they have sung about the struggles, joys, pains and love of the entire humanity.